भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 303#

गुरूवार, 08 दिसम्बर, 2022/17 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास

303#. श्री घनश्याम तिवाड़ीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार शेखावाटी के धार्मिक पर्यटन स्थल शाकम्भरी माता, लोहार्गल धाम, जीणमाता, खाटूश्यामजी, सालासर धाम एवं रेवासा धाम इत्यादि के एकीकृत विकास के लिए कोई योजना बनाये जाने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन-1.0' योजना के तहत खाटूश्यामजी, सीकर और सालासर धाम पर कार्य सहित निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी है:-

i. वर्ष 2016 में 75.80 करोड़ रु. की लागत से गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटश्यामजी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास।

ii. आध्यात्मिक परिपथ का विकास- वर्ष 2017 में 87.05 करोड़ रु. की लागत से 'चुरू (सालासर बालाजी) जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बांधेके बालाजी)- विराटनगर (बीजक, जैन्नासिया, अंबिका मंदिर)- भरतपुर (कामन क्षेत्र) धोलपुर (मुचकुंद)-मेंहदीपुर बालाजी चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास।'

इन परियोजनाओं में सीकर और सालासर बालाजी में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए क्रमश: 24.60 करोड़ रु. और 6.77 करोड़ रु. की राशि आवंटित की गई है। सीकर में अनुमोदित कार्य पूरा हो चुका है और सालासर बालाजी में कार्य पूरा होने वाला है।

****